भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2656

उत्तर देने की तारीख: 18.03.2021

'सर्व शिक्षा अभियान' के अंतर्गत बिहार को दी गई धनराशि

2656# **श्री राम नाथ ठाकुर:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान केंद्रीय सरकार द्वारा 'सर्व शिक्षा अभियान' के तहत बिहार राज्य को कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(ख) क्या सरकार ने बिहार के शैक्षणिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए धनराशि का आवंटन करते समय इस राज्य को वरीयता प्रदान की है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) और (ख): स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने 2018-19 से स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत केंद्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा शुरू की है, जिसमें सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए), राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) और अध्यापक शिक्षा (टीई) की तीन पूर्ववर्ती केंद्र प्रायोजित योजनाएं शामिल हैं।

योजना के मानदंडों के अनुसार, वार्षिक योजनाओं को राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी आवश्यकताओं और प्राथमिकता के आधार पर तैयार किया जाता है और यह उनकी संबंधित वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपीएंडबी)प्रस्तावों में परिलक्षित होता है। इसके बाद, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग के परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) द्वारा राज्य / संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श से योजना के कार्यक्रम सम्बन्धी और वित्तीय मानकों, निधि की उपलब्धता और पहले अनुमोदित की गई पहलों के लिए

राज्य की भौतिक और वित्तीय प्रगति के अनुसार इन योजनाओं का मूल्यांकन किया जाता है और इन्हें अनुमोदन/ आकलित किया जाता है।इसके अतिरिक्त निधियों को समग्र शिक्षा के वित्तीय प्रबंधन और अधिप्राप्ति (एफएमपी) मैन्युअल के अंतर्गत यथानिर्धारित लेखापरीक्षित लेखाओं, उपयोगिता प्रमाण पत्र, भौतिक और वित्तीय प्रगति तथा अन्य दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण के आधार पर जारी किया जाता है। इसके अतिरिक्त, शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (ईबीबी), एलडब्ल्यूई प्रभावित जिलों, विशेष फोकस जिलों (एसएफडी), सीमा क्षेत्रों और 115आकांक्षी जिलों को प्राथमिकता दी जाती है। केंद्र प्रायोजित योजना समग्र शिक्षा के फंड शेयरिंग पैटर्न (60:40)के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21में केंद्रीय हिस्से के रूप में बिहार राज्य को 382755.00लाख रुपये आवंटित किए गए हैं।

*****